हिंदी–गोंड़ी (दंतेवाड़ा) एवं संस्कृत

कक्षा – 4

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

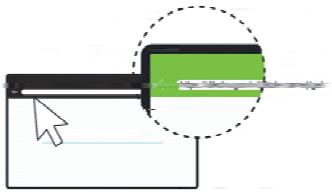

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष 2024

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मार्गदर्शन एवं सहयोग

डॉ. हृदयकांत दीवान, विद्या भवन, उदयपुर,
प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

582HG5

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

संपादन

डॉ. सी.एल. मिश्रा, विद्या डांगे

मेरी अभिलाषा है– द्वारिका प्रसाद महेश्वरी, दीप जले – चन्द्रदत्त 'इन्दु', कुंडलियाँ– कोदूराम दलित, चूड़ीवाला –सेफाली मल्लिक, अमीर खुसरो की पहेलियाँ – अमीर खुसरो,किताबें – श्री सफदर हाशमी, शेष पाठ लेखक मण्डल द्वारा संकलित या लिखित हैं।

लेखक मण्डल

हिंदी	गोंडी (दंतेवाड़ा)	संस्कृत
डॉ. सी.एल.मिश्र, बी. आर. साहू, डॉ. एस.एस. त्रिपाठी, डॉ. बृजमोहन इष्टवाल, गजानन्द प्रसाद देवांगन, राजेन्द्र पाण्डेय, श्रीमती सीमा अग्रवाल, विनय शरण सिंह, दिनेश गौतम, श्री धीरेन्द्र कुमार, डॉ.(श्रीमती) रचना अजमेरा, श्रीमती उषा पवार, शोभा शंकर नागदा।	बचनूराम भोगामी, दादा जोकाल, लखमा राम तर्मा, हिरमा कश्यप, जोगाराम कश्यप	डॉ. सुरेश शर्मा, बी.पी. तिवारी, (समन्वयक) डॉ. कल्पना द्विवेदी, ललित कुमार शर्मा, डॉ. संध्यारानी शुक्ला, डॉ. राजकुमार तिवारी

चित्रांकन

समीर श्रीवास्तव, प्रशांत सोनी, रानू सिंह, भूपेन

आवरण पृष्ठ एवं ले–आऊट

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – .....

प्राक्कथन

हिंदी भाषा–शिक्षण का स्कूली शिक्षा में एक अहम स्थान है। सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से सबद्ध सभी लोगों के लिए यह आस–पास के वृहद् जगत के संवाद का माध्यम है। कक्षा एक की ही पुस्तकों से छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्र व जिज्ञासु पाठक बनाना है। परिषद् की पुस्तकों ने यह भी रेखांकित किया है कि भाषा सीखने–सिखाने का दायित्व सिर्फ भाषा की पाठ्य–पुस्तक पर ही नहीं है, वरन् इस दिशा में और सभी विषय–विशेष तौर पर पर्यावरण अध्ययन–मदद कर सकते हैं। आस–पास उपलब्ध बच्चों के योग्य अन्य पुस्तकों की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। अपने स्वाभाविक अनुभवों के बारे में सोचना, उनका गहराई से विश्लेषण करना व इन सबको दूसरों के साथ बाँटना न सिर्फ भाषायी समझ बढ़ाता है, वरन् कई और क्षमताएँ भी प्रदान करता है।

कक्षा 4 में पढ़ने वाले बच्चे अपने आस–पास के जीवन के बारे में सोचना व समझना शुरू कर देते हैं। इस समझ को पैदा करने के लिए आवश्यक शब्दावली, वाक्य–संरचना, तार्किक क्रमबद्धता का बड़ा हिस्सा भाषा की कक्षा से ही उसे मिलेगा। कहानी, कविता, निबंध, नाटक आदि साहित्य की विधाएँ तो हैं ही, साथ–साथ सोचने व समझने के तरीकों को वृहद् भी बनाती हैं। इन सभी में बच्चे को रुचि हो, यही भाषा–शिक्षण का एक प्रमुख लक्ष्य है। भाषा की कक्षा अक्सर पुस्तक में दिए सवालों के उत्तर खोजने तक ही सीमित हो जाती है। यदि भाषा–शिक्षण व साहित्य को बच्चे के विकास व समाज के साथ संबंध को गहरा करने व उसके सोचने व जीवन–दर्शन को वृहद् करने का लक्ष्य पूरा करना है तो यह आवश्यक है कि उसका पुस्तक की सामग्री के साथ सतर्क पाठक का रिश्ता बने। इसके लिए वह सामग्री पर आधारित नये प्रश्न गढ़े, अपने जीवन के आधार पर सामग्री में प्रस्तुत विचारों पर टिप्पणी करे।

सामग्री के बारे में बच्चे सोचें–विचारें, सवाल करें और अपनी राय बनाएँ, यह सब कक्षा 4 में करवाना संभव नहीं है। किन्तु यदि हमें यह स्पष्ट हो कि किस दिशा में बढ़ना है तो हमारे छोटे कदम भी ज्यादा अच्छे लाभकारी हो सकते हैं।

कक्षा 4 में हम यह भी अपेक्षा करते हैं कि बच्चे टोलियों में काम करना सीखें, एक दूसरे की मदद करें, विचारों का आदान–प्रदान करें। हमारी कोशिश है कि उन्हें एक वृहद् व जीवन्त भाषायी अनुभव मिले।

इस पुस्तक को तैयार करने में शिक्षाविदों, शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा स्कूली शिक्षा से जुड़े साथियों का सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसके बावजूद भी पुस्तक में सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो होंगी ही।

सत्र 2017–18 में लर्निंग आउट कम्स को पूरे देश में कक्षावार, विषयवार लागू किया गया। जिसके कारण किताबों में संशोधन किया जाना आवश्यक हो गया। इस पर शिक्षकों, पालकों, शिक्षाविदों, बच्चों से पर्याप्त चर्चा की गई तथा जो सुझाव हमें प्राप्त हुए उनसे हिन्दी समीति के सदस्यों ने गंभीरता से विचार किया और पुस्तक में तदानुसार विशेषकर प्रश्नों के स्वरूप में बदलाव किया गया। यह पुस्तक राज्य के सभी शासकीय/अशासकीय विद्यालयों के लिए प्रकाशित की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से **Energized Text Books** एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। **ETBs** का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को और बेहतर बनाने के लिए अपने अमूल्य सुझाव परिषद् को भेजें। इसी उम्मीद और शुभ कामनाओं के साथ।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों के लिए

छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा तैयार की गई कक्षा चार की पुस्तक तीन वर्षों के प्रायोगिक दौर से गुजरकर अब आपके सामने है। भाषा सीखने–सिखाने के बारे में सोचते समय हमने यह महत्वपूर्ण समझा है कि बच्चे अपने आस–पास की दुनिया को जानना चाहते हैं, समझना चाहते हैं। वे यह सब अपने स्वाभाविक जीवन में करते रहते हैं और अपने आसपास के बारे में कई बातें जानते हैं। उनके अनुभवों को गहरा करने व विश्लेषण करने में भाषाई क्षमताएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कक्षा चार के स्तर पर बच्चों की भाषाई क्षमताएँ को आगे बढ़ाने हेतु यह पुस्तक एक आधार सामग्री के रूप में है। यहाँ उद्देश्य केवल यह नहीं है कि बच्चे इस पुस्तक को पढ़ें वरन् भाषा–शिक्षण के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक है कि बच्चे अधिकाधिक पुस्तकें पढ़ें। भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सक्षम पाठक बनाने के साथ–साथ सोचने–विचारने, चिंतन करने, विचारों को विस्तारित करने, कल्पना करने तथा नई बातें सीखने के लिए तैयार करना है। यह आवश्यक है कि कक्षा 4 के विद्यार्थी सुनी हुई व पढ़ी हुई सामग्री को समझ सकें, उनकी सार्थक विवेचना करने के प्रयास कर सकें और अपने मत व विचार लिखकर समझा सकें। पुस्तक में विविधता इसलिए रखी गई है कि साहित्य पढ़ने में उनकी रुचि पैदा हो व उनमें पढ़ने की आदत का विकास हो सके।

इस पुस्तक में गतिविधियों के माध्यम से अभ्यास के अवसर दिए गए हैं। इनमें कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं जिनमें बच्चों को शिक्षक या अन्य किसी की मदद की भी जरूरत होगी। कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं जिन्हें बच्चों को एक–दूसरे की मदद करते हुए करनी हैं और कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं जिन्हें बच्चों को अकेले अपने आप करना है। कृपया बच्चों को आपस में विचार–विमर्श व संवाद का पर्याप्त मौका दें।

प्रत्येक पाठ के अंत में अपरिचित व कठिन शब्द तथा उनके अर्थ दिए गए हैं। बच्चों के साथ इन शब्दों के अर्थ पर बातचीत करें तथा इनका अलग–अलग संदर्भों में उपयोग करवाएँ। बच्चे जितने अधिक वाक्य व विवरण इन शब्दों का

उपयोग करके लिखेंगे, उतना अच्छा है। किसी भी विधा यथा कहानी, कविता, नाटक, वर्णन, जीवनी, पत्र आदि का अध्ययन–अध्यापन व उस पर अभ्यास करने के एक से अधिक तरीके हो सकते हैं। इसी प्रकार के कुछ उदाहरण मौखिक प्रश्नों शीर्षक में दिये गए हैं।

पाठ की विषयवस्तु को समझने, उस पर चिंतन करने, कल्पना करने के लिए पाठ में बोध–प्रश्न दिए गए हैं। बोध–प्रश्न में मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। ये प्रश्न सिर्फ उदाहरण स्वरूप हैं। हर पाठ पर कई और प्रश्न बनाए जा सकते हैं। आप बच्चों को नए मौखिक प्रश्न बनाकर एक दूसरे से पूछने के लिए प्रेरित करें। लिखित प्रश्न भी कई प्रकार के हैं। कुछ तो सीधे–सीधे सूचना आधारित प्रश्न हैं, जो सीधे पाठ से खोजे जा सकते हैं; कुछ कार्य–कारण संबंधवाले प्रश्न हैं तथा कुछ कल्पना व सृजनात्मकता का विकास करनेवाले प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर अगर वे दें तो वे ज्यादा सीखेंगे। यह भी कोशिश करें कि प्रश्नों के उत्तर बच्चे अपनी भाषा में ही लिखें।

इसके बाद भाषा–तत्त्व एवं व्याकरण से संबंधित भी कुछ अभ्यास हैं। इस भाग में शब्दों व वाक्यों का श्रुतिलेखन भी करवाना है। वर्तनी की जाँच के लिए बच्चों को परस्पर एक–दूसरे की अभ्यास–पुस्तिका देखने को कहें, उन्हें अलग–अलग प्रकार के उत्तर समझने और शब्दों के शुद्ध व अशुद्ध रूप को पहचानने में मदद मिलेगी। यह भी अपेक्षा है कि आप बच्चों को सुंदर लेख लिखने का अभ्यास कराएँ।

रचना के अभ्यास के लिए सृजनात्मक एवं योग्यता–विस्तार शीर्षकों के अंतर्गत अभ्यास दिए गए हैं। अपेक्षा यह है कि बच्चे अपने स्तर पर कोई नया सृजन करने का प्रयास करें। इसमें अलग–अलग अभ्यास हैं जैसे कहीं बच्चों को पूछकर, ढूँढकर, पढ़कर या सोचकर लिखना है अथवा प्रदर्शित करना है। इसमें चित्र संकलित कर एलबम बनाना, किसी पक्षी जानवर आदि का चित्र स्वयं बनाना; कविता बनाना, किसी दृश्य या घटना को देखकर उस पर अपने विचार लिखना आदि सम्मिलित हैं।

रचना और गतिविधिवाले क्रियाकलापों से बच्चों का रचनात्मक और सृजनात्मक विकास होगा। बच्चों में कला संबंधी और लेखन संबंधी जागरुकता आएगी। समय–समय पर कक्षा या बाल–सभा में वाद–विवाद आयोजित करवाना, अन्त्याक्षरी करवाना, चित्र–निर्माण करवाना, पत्र–पत्रिकाओं से सामग्री एकत्रित करवाना, ऐतिहासिक स्थलों पर भ्रमण करवाना तथा उन पर संक्षिप्त लेख लिखवाना आदि क्रियाकलापों से भी बच्चों की क्षमताओं में अभिवृद्धि होगी।

आप सबको अध्यापन करने का लंबा अनुभव है। आपके इस लंबे अनुभव से निःसंदेह बच्चे लाभान्वित होंगे। हमारे द्वारा सुझाए कुछ सुझावों पर आप अमल करें, तो हो सकता है कि आपकी शिक्षण–कला में इससे कुछ बढ़ोत्तरी हो। यदि ऐसा हुआ तो हम अपने प्रयास को सार्थक समझेंगे। आपके द्वारा भेजे गए सुझावों का हम सदैव स्वागत करेंगे।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–सूची

क्र.	पाठ का नाम	पृ.क्र.
	हिन्दी	
1.	मेरी अभिलाषा है	1–3
2.	मैनपाट की सैर	4–8
3.	दन्तेवाड़ा मण्ड़ई (गोंडी)	9–14
4.	साहसी रूपा	15–19
5.	मेरा एक सवाल	20–23
6.	औद्योगिक तीर्थ – कोरबा	24–28
7.	घरौंदा	29–33
8.	रिम्मा काया (गोंडी)	34–38
9.	दीप जले	39–42
10.	संत रविदास	43–48
11.	जीत खेल भावना की	49–54
12.	कूकू और भूरी	55–61
13.	कर्साड़ (गोंडी)	62–65
14.	ऊर्जा की बचत	66–68
15.	चूड़ीवाला	69–73
16.	राजिम मेला (सहेली को पत्र)	74–78
17.	झंडा अंजता (गोंडी)	79–85
18.	पिंजरे का जीवन	86–90
19.	हाय मेरी चारपाई	91–94
20.	अमीर खुसरो की पहेलियाँ	95–97
21.	नन सड़कतोन (गोंडी)	98–103
22.	किताबें	104–106
23.	डॉ. जगदीश चन्द्र बोस	107–112
24.	इंसाफ	113–122
25.	सड़क सुरक्षा (जेब्राक्रासिंग)	123
	संस्कृत	124–135
	पुनरावृत्ति के प्रश्न	136–140

4E2BK3

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें :–

- विभिन्न विषयों, स्थितियों, घटनाओं, अनुभवों, कहानियों, कविताओं आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- 'पढ़ने का कोना/पुस्तकालय' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–वीडियो सामग्री, अखबार आदि उपलब्ध हों।
- तरह–तरह की कहानियों, कविताओं, पोस्टर आदि को पढ़कर समझने–समझाने, उस पर अपनी प्रतिक्रिया देने, बातचीत करने, प्रश्न करने के अवसर उपलब्ध हों।
- विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे – किसी घटना या पात्र के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया, राय, तर्क देना, विश्लेषण करना, आदि।
- कहानी, कविता आदि को बोलकर पढ़ने–सुनाने और सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से अपनी भाषा में कहने और लिखने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों।
- ज़रूरत और संदर्भ के अनुसार अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य/अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर उपलब्ध हों।
- एक–दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उस पर अपनी राय देने, उसमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग–अलग ढंग से लिखने के अवसर हों।

सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

बच्चे –

LH401. दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते और प्रश्न पूछते हैं।

LH402. सुनी रचनाओं की विषय–वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।

LH403. कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।

LH404. भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं।

LH405. विविध प्रकार की सामग्री (जैसे समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक, सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं।

LH406. पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।

LH407. अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (बाल साहित्य/समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं।

LH408. अलग–अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं।

LH409. पढ़ने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्कालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं।

- अपनी बात को अपने ढंग से/सृजनात्मक तरीके से अभिव्यक्त (मौखिक, लिखित, सांकेतिक रूप से) करने की आज़ादी हो।
- आस–पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं (जैसे– मेरे घर की छत से सूरज क्यों नहीं दिखता? सामने वाले पेड़ पर बैठने वाली चिड़िया कहाँ चली गई?) को लेकर प्रश्न करने, सहपाठियों से बातचीत या चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।
- कक्षा में अपने साथियों की भाषाओं पर गौर करने के अवसर हों; जैसे – आम, रोटी, तोता आदि शब्दों को अपनी–अपनी भाषा में कहे जाने के अवसर उपलब्ध हों।
- विषय–वस्तु के संदर्भ में भाषा की बारीकियों और उसकी नियमबद्ध प्रकृति को समझने और उनका प्रयोग करने के अवसर हों।
- अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे–गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझने और उसका संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने के अवसर हों।
- पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए प्राकृतिक सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझने और उन पर चर्चा करने के अवसर उपलब्ध हों।

LH410. पढ़ी रचनाओं की विषय–वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।

LH411. स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे– गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं।

LH412. भाषा की बारीकियों, जैसे –शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विशेषण, जेंडर, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।

LH413. किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं।

LH414. विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, सामान की सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी के अनुसार लिखते हैं।

LH415. स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं।

LH416. अलग–अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।

LH417. विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिह्नों, जैसे पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।

LH418. अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।

विषय–सूची (Contents)

क्र.	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
1.	मेरी अभिलाषा है	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH410, LH412, LH413, LH415,LH418
2.	मैनपाट की सैर	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH412, LH413, LH415, LH417, LH418
3.	दन्तेवाड़ा मण्ड़ई (गोंडी)	
4.	साहसी रूपा	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH410, LH412, LH415, LH416, LH417, LH418
5.	मेरा एक सवाल	LH401, LH402, LH403, LH404, LH409, LH411, LH412, LH413, LH415, LH418
6.	औद्योगिक तीर्थ – कोरबा	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH407, LH408, LH409, LH410, LH411, LH412, LH413, LH415, LH416, LH417
7.	घरौंदा	LH401, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH410, LH411, LH412, LH413, LH415, LH416, LH417, LH418
8.	रिम्मा काया (गोंडी)	
9.	दीप जले	LH401, LH402, LH403, LH404, LH406, LH408, LH409, LH410, LH412, LH413, LH415, LH416, LH418
10.	संत रविदास	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH412, LH415, LH416, LH417, LH418
11.	जीत खेल भावना की	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH407, LH408, LH411, LH413, LH414, LH415, LH416, LH418
12.	कूकू और भूरी	LH401, LH402, LH403, LH405, LH408, LH409, LH412, LH413, LH415, LH418
13.	कर्साड़ (गोंडी)	
14.	ऊर्जा की बचत	LH401, LH402, LH403, LH404, LH408, LH411, LH412, LH413, LH415, LH418
15.	चूड़ीवाला	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH410, LH412, LH413, LH415, LH416, LH417
16.	राजिम मेला (सहेली को पत्र)	LH401, LH402, LH403, LH405, LH406, LH407, LH408, LH410, LH411, LH412, LH413, LH414, LH416, LH417, LH418
17.	झंडा अंजता (गोंडी)	
18.	पिंजरे का जीवन	LH401, LH402, LH403, LH406, LH408, LH410, LH412, LH413, LH415, LH416, LH417, LH418
19.	हाय मेरी चारपाई	LH401, LH402, LH403, LH407, LH408, LH409, LH412, LH413, LH415, LH418
20.	अमीर खुसरो की पहेलियाँ	LH401, LH402, LH403, LH406, LH408, LH409, LH410, LH412, LH413, LH414, LH415, LH416, LH418
21.	नन सड़कतोन (गोंडी)	
22.	किताबें	LH401, LH402, LH403, LH407, LH409, LH412, LH413, LH415, LH416, LH418
23.	डॉ. जगदीश चन्द्र बोस	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH409, LH410, LH411, LH412, LH413, LH415, LH418
24.	इंसाफ	LH401, LH402, LH403, LH404, LH405, LH406, LH408, LH410, LH413, LH415, LH418

नोट–स्थानीय भाषा के पाठों में सीखने के प्रतिफल को अपने विवेक अनुसार चयन कीजिए।

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-विषय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to :पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे :		Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना लेबल करना, वर्णन करना	Understand, explain, Illustrate, summaries, match समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना	apply, organize, use, solve, prove, draw प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना	evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1	2	3	4	5	6
मैनपाठ की सैर	• प्रश्न–अभ्यास • बारह–खड़ी के क्रममेंलिखना • संयुक्तक्रिया	• पाठ के प्रश्नों के उत्तरबताताहै ।	• आस–पास के पर्यटनस्थल के बारेमेंबताताहै।	• शब्दोंकोबारह खड़ी के क्रममेंव्यवस्थितकरताहै । • संयुक्तक्रियायुक्तवाक्यों का उपयोगकरताहै।	• एकलक्रिया के वाक्य कोसंयुक्तक्रिया के साथलिखताहै।